



Haryana Government Gazette

EXTRAORDINARY

Published by Authority

© Govt. of Haryana

No. 130-2026/Ext.]

चण्डीगढ़, बुधवार, दिनांक 26 अगस्त, 2026
(4 भाद्रपद, 1948 शक)

विधायी परिशिष्ट

क्रमांक	विषय वस्तु	पृष्ठ
भाग—I	अधिनियम	
	कुछ नहीं	
भाग—II	अध्यादेश	
	कुछ नहीं	
भाग—III	प्रत्यायोजित विधान	
	अधिसूचना संख्या का०आ० 48/के०अ० 29/1986/धा० 3/2026, दिनांक 26 अगस्त, 2026— हरियाणा की ओर सुखना वन्यजीव अभयारण्य, जिला पंचकूला के पारिस्थितिकी-संवेदी जोन की आंचलिक महायोजना को अधिसूचित करने बारे।	337—355
भाग—IV	शुद्धि पच्ची, पुनः प्रकाशन तथा प्रतिस्थापन	
	कुछ नहीं	

भाग—III**हरियाणा सरकार**

पर्यावरण, वन और वन्यजीव विभाग

अधिसूचना

दिनांक 26 अगस्त, 2026

संख्या का०आ० 48/के०अ० 29/1986/धा० 3/2026.— चूंकि, पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) के साथ पठित पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का केन्द्रीय अधिनियम 29) की धारा 3 की उपधारा (1) और उपधारा (2) के खण्ड (v) और खण्ड (xiv) और उपधारा (3) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, अधिसूचना संख्या का०आ० 4874 (अ), दिनांक 11 नवम्बर, 2024 द्वारा हरियाणा राज्य के सुखना वन्यजीव अभयारण्य की सीमाओं के चारों ओर 1.0 किलोमीटर से 2.035 किलोमीटर तक विस्तृत क्षेत्र को सुखना वन्यजीव अभयारण्य पारिस्थितिकी संवेदी जोन के रूप में अधिसूचित किया गया है, जिसका ब्योरा पर्यावरण की गुणवत्ता में सुधार तथा सुरक्षा और पर्यावरण प्रदूषण के निवारण, नियंत्रण और उसके उपशमन के प्रयोजन के लिए उक्त अधिसूचना के पैरा (1) में विनिर्दिष्ट किया गया है;

और चूंकि, उक्त अधिसूचना के पैरा 2 में पारिस्थितिकी संवेदन जोन के प्रयोजनों के लिए आंचलिक महायोजना तैयार करने और उसकी अधिसूचना जारी की जानी अपेक्षित है;

और चूंकि, उक्त आंचलिक महायोजना में तब तक विद्यमान भू-उपयोग, अवसंरचना और क्रियाकलापों पर कोई निर्बन्धन अधिरोपित नहीं किया जाएगा जब तक कि भारत सरकार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, अधिसूचना संख्या का०आ० 4874 (अ), दिनांक 11 नवम्बर, 2024 में ऐसा विनिर्दिष्ट न हो। आंचलिक महायोजना में निम्नलिखित बातों को समावेश किया जाएगा;

- (i) सभी अवसंरचनाओं और उसके क्रियाकलापों में सुधार करके उन्हें अधिक दक्ष और पारिस्थितिकी अनुकूल बनाने की व्यवस्था की जाएगी;
- (ii) वन रहित क्षेत्रों के सुधार, विद्यमान जल निकायों के संरक्षण, आवाह क्षेत्रों के प्रबन्धन, जल संभरों के प्रबंधन, भू-जल के प्रबंधन, मृदा और नदी के संरक्षण, स्थानीय जनता की आवश्यकताओं तथा पारिस्थितिकी और पर्यावरण के ऐसे अन्य पहलुओं, जिन पर ध्यान दिया जाना आवश्यक है, का उपबंध किया जाएगा;
- (iii) सभी विद्यमान पूजा-स्थलों, ग्रामों और शहरी बस्तियों, वनों की श्रेणियों और किस्मों, कृषि क्षेत्रों, उपजाऊ भूमि, के हरित क्षेत्रों जैसे पार्कों और उसी तरह के स्थल, बागवानी क्षेत्रों, बगीचों, झीलों और अन्य जल निकायों की सीमाओं का निर्धारण सहायक मानचित्रों के साथ किया जाएगा, जिनमें विद्यमान तथा प्रस्तावित भू-उपयोग विशेषताओं के ब्योरे हों; ; और
- (iv) स्थानीय जनता की आजीविका की सुरक्षा के लिए पारिस्थितिकी-अनुकूल विकास सुनिश्चित करने के लिए पारिस्थितिकी संवेदी जोन में क्षेत्र का प्रबन्धन तथा विनियमन किया जाएगा।

और चूंकि, पारिस्थितिकी संवेदी जोन की जिला निगरानी समिति ने दिनांक 24 अप्रैल, 2026 को आयोजित बैठक में, भारत सरकार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, अधिसूचना संख्या का०आ० 4874 (अ), दिनांक 11 नवम्बर, 2024 में निहित उपबंधों और निर्देशों की अनुपालना में आंचलिक महायोजना तैयार करते हुए उस पर विचार-विमर्श किया तथा उसे अनुमोदित किया;

इसलिए, अब, भारत सरकार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, अधिसूचना संख्या का०आ० 4874(अ), दिनांक 11 नवम्बर, 2024 के अनुसरण में, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, हरियाणा की ओर सुखना वन्यजीव अभयारण्य, जिला पंचकूला के पारिस्थितिकी-संवेदी जोन की आंचलिक महायोजना को अधिसूचित करते हैं, जिसमें गतिविधियों और विद्यमान भू-उपयोग तथा अवसंरचना और निषेध, विनियमितीकरण तथा उनके क्रियान्वयन की कार्यप्रणाली का विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है, अर्थात्:-

अनुसूची**1. पारिस्थितिकी-संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र का स्वरूप एवं जोनेशन**

भारत सरकार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, दिनांक 11 नवम्बर, 2024 की अधिसूचना संख्या का०आ० 4874 (अ), दिनांक 11 नवम्बर, 2024 के अनुसार सुखना वन्यजीव अभयारण्य के चारों ओर स्थित पारिस्थितिकी-संवेदी जोन का कुल क्षेत्रफल 24.61 वर्ग किलोमीटर अर्थात् 6420.99 एकड़ है। इसमें आसपास के परिदृश्य के क्षेत्र का हिस्सा और दस गाँवों अर्थात् प्रेमपुरा, सुखोमाजरी, दमाला, लोहगढ़, मानकपुर ठाकुरदास, सूरजपुर, चण्डीमंदिर कोटला, दड़ा खनोरी, रामपुर, सकेतड़ी एवं महादेवपुर शामिल हैं।

पारिस्थितिकी-संवेदी जोन की सीमाओं और इसके अन्तर्गत आने वाले ग्रामों का भू-निर्देशांक आधारित ब्योरे, स्थान मानचित्रों सहित, दिनांक 11 नवम्बर, 2024 की पारिस्थितिकी संवेदी जोन अधिसूचना में दिए गए हैं।

सम्बन्धित प्राधिकरणों द्वारा उपलब्ध करवाई गई सूचना के अनुसार नगर परिषद्, कालका, नगर निगम, पंचकूला तथा हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के अन्तर्गत माता मनसा देवी शहरी परिसर के सेक्टर-1, 2 तथा 3 और सुखना वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी-संवेदी जोन के साथ-साथ की अनुमोदित विकास योजनाओं का कुल क्षेत्रफल अनुबन्ध-I में दिया गया है। माता मनसा देवी शहरी परिसर के सेक्टर-1, 2 तथा 3 तथा पारिस्थितिकी-संवेदी जोन की सीमाओं को दर्शाने वाला मानचित्र अनुबन्ध-II में दिया गया है।

पारिस्थितिकी-संवेदी जोन के अन्तर्गत भूमि उपयोग के प्रकार तथा सुखना वन्यजीव अभयारण्य के क्षेत्र का विस्तार निम्नानुसार है:-

क्रम संख्या	भूमि उपयोग का प्रकार	सुखना वन्यजीव अभयारण्य सीमा (वर्ग कि.मी.) (हरियाणा भाग)	सुखना पारिस्थितिकी-संवेदी जोन (वर्ग कि.मी.)
1	कृषि	0.00	0.95
2	निर्मित क्षेत्र	0.00	0.69
3	नहर	0.00	0.00
4	सघन वन	20.18	12.20
5	वृक्षारोपण	0.00	0.46
6	नदी	0.11	0.11
7	सड़क	0.00	0.10
8	विरल वन	5.15	9.19
9	बंजर भूमि	0.00	0.66
10	जल निकाय	0.55	0.15
11	आर्द्रभूमि	0.00	0.10
कुल योग		25.99	24.61

2. पारिस्थितिकी-संवेदी जोन के भीतर निषिद्ध, विनियमित अथवा प्रोन्नत की जाने वाली गतिविधियाँ पारिस्थितिकी-संवेदी जोन में की जाने वाली सभी गतिविधियाँ, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का केन्द्रीय अधिनियम 29) तथा उसके अधीन बनाए गए नियमों, पर्यावरण प्रभाव आकलन अधिसूचना, 2006 तथा समय-समय पर लागू अन्य विधियों, जिनमें वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 (1980 का केन्द्रीय अधिनियम 69), भारतीय वन अधिनियम, 1927 (1927 का केन्द्रीय अधिनियम 16), वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (1972 का केन्द्रीय अधिनियम 53) तथा उनमें समय-समय पर किए गए संशोधन शामिल हैं, के उपबन्धों के अनुसार शासित होंगी और नीचे दी गई सारणी में विनिर्दिष्ट रीति में विनियमित की जाएंगी, अर्थात:-

सारणी

क्रम संख्या	गतिविधि	विवरण	उत्तरदायी विभाग
1	2	3	4
क. प्रतिबन्धित गतिविधियाँ			
1.	वाणिज्यिक खनन, पत्थर उत्खनन एवं स्टोन क्रशर इकाइयाँ।	(क) सभी नए एवं विद्यमान (लघु एवं प्रमुख खनिज) खनन, पत्थर उत्खनन तथा स्टोन क्रशिंग इकाइयाँ तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित होंगी। तथापि, पारिस्थितिकी-संवेदी जोन के भीतर स्थानीय निवासियों की वास्तविक घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु मकानों के निर्माण अथवा मरम्मत के लिए मिट्टी की खुदाई की अनुमति होगी। (ख) खनन कार्य माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा T.N. Godavarman Thirumulpad बनाम भारत संघ, रिट याचिका (सिविल) संख्या 202/1995 तथा Goa Foundation बनाम भारत संघ, रिट याचिका	खान एवं भू-विज्ञान विभाग, जिला प्रशासन

		(सिविल) संख्या 435/2012 एवं आई.ए. संख्या 1000/2003 में दिनांक 03.06.2022, तथा तत्पश्चात् आई.ए. संख्या 131377/2022 में दिनांक 26.04.2023 एवं 28.04.2023 को पारित आदेशों के अनुसार किए जाएंगे।	
2.	नई आरा मशीनों की स्थापना।	प्रतिबंधित।	वन विभाग, उद्योग विभाग
3.	जल, वायु, मृदा, ध्वनि आदि को प्रदूषित करने वाले उद्योगों की स्थापना।	प्रतिबंधित।	वन विभाग, उद्योग विभाग
4.	किसी भी खतरनाक पदार्थ का उपयोग, उत्पादन अथवा प्रसंस्करण।	प्रतिबंधित।	हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पर्यावरण विभाग
5.	ईंधन लकड़ी का वाणिज्यिक उपयोग।	प्रतिबंधित।	वन विभाग,
6.	अनुपचारित अपशिष्ट जल का प्राकृतिक जल स्रोतों अथवा भूमि क्षेत्र में निस्तारण।	प्रतिबंधित।	हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, शहरी स्थानीय निकाय, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग
7.	भू-जल दोहन सहित जल संसाधनों का वाणिज्यिक उपयोग।	पारिस्थितिकी-संवेदी जोन में भू-जल सहित प्राकृतिक जल संसाधनों का वाणिज्यिक उपयोग प्रतिबंधित होगा तथा जल के प्रदूषण एवं संदूषण की रोकथाम हेतु सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, शहरी स्थानीय निकाय, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण
8.	नए तापीय विद्युत एवं बड़े जलविद्युत परियोजनाओं की स्थापना।	प्रतिबंधित।	पर्यावरण विभाग, वन विभाग, विद्युत विभाग
9.	नई काष्ठ-आधारित उद्योगों की स्थापना।	पारिस्थितिकी-संवेदी जोन की सीमा के भीतर किसी भी नई काष्ठ-आधारित उद्योग की स्थापना की अनुमति नहीं होगी। तथापि, विद्यमान काष्ठ-आधारित उद्योग विधि के अनुसार संचालित रह सकेंगे। यह भी प्रावधान होगा कि वर्तमान आरा मशीनों के लाइसेंसों का नवीनीकरण उनकी अवधि समाप्त होने के उपरांत नहीं किया जाएगा।	वन विभाग, उद्योग विभाग, हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
10.	बड़े पैमाने पर वाणिज्यिक पशुपालन एवं मत्स्य पालन प्रतिष्ठानों की स्थापना।	लागू विधियों के अधीन अन्यथा उपबंधित होने के अतिरिक्त प्रतिबंधित। तथापि, स्थानीय किसानों द्वारा आजीविका के निर्वहन हेतु केवल लघु स्तर के पोल्ट्री फार्म स्थापित किए जा सकेंगे।	पशुपालन एवं मत्स्य पालन विभाग
ख: विनियमित गतिविधियाँ			
11.	होटल एवं रिसॉर्ट्स की वाणिज्यिक स्थापना	भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा दिनांक 21.09.2004 को तैयार मानचित्र के अनुसार सुखना वन्यजीव अभयारण्य के जलग्रहण क्षेत्र के भीतर किसी भी नए वाणिज्यिक होटल अथवा रिसॉर्ट की स्थापना की अनुमति नहीं होगी। यह प्रावधान माननीय पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा रिट याचिका (सिविल) संख्या 18253/2009 एवं 5809/2015 (न्यायालय बनाम चण्डीगढ़ प्रशासन, स्वप्रेरणा से) में दिनांक 02 मार्च, 2020 को पारित आदेश तथा रिव्यू	पर्यटन विभाग, नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग, हरियाणा व पंचकूला विकास महानगर प्राधिकरण

		याचिका CM-14026-CWP & 2021, RA-CW-259-2020, RA-CW-252-2020, RA-CW-261-2020, RA-CW-268-2020, एवं RA-CW-69-2021 में पारित अंतिम निर्णय के अनुरूप होगा, जहां तक उसका संबंध सुखना वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी-संवेदी जोन से है। परन्तु यह कि, संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के बाहर अथवा पारिस्थितिकी-संवेदी जोन की सीमा तक (जो भी निकट हो) सभी नई पर्यटन विकास गतिविधियों अथवा वर्तमान पर्यटन गतिविधियों का विस्तार पर्यटन मास्टर प्लान तथा वन संबंधी लागू विधियों के प्रावधानों के अनुरूप होगा।	
12.	निर्माण गतिविधियाँ	(क) भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा दिनांक 21.09.2004 को तैयार मानचित्र के अनुसार सुखना वन्यजीव अभयारण्य के जलग्रहण क्षेत्र के भीतर किसी भी प्रकार के नए निर्माण की अनुमति नहीं होगी। यह प्रावधान माननीय पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा रिट याचिका (सिविल) संख्या 18253/2009 एवं 5809/2015 (न्यायालय बनाम चण्डीगढ़ प्रशासन, स्वप्रेरणा से) में दिनांक 02 मार्च, 2020 को पारित आदेश तथा CM&14026 & CWP&2021] RA-CW-259-2020, RA-CW-252-2020, RA-CW-261-2020, RA-CW-268-2020 एवं RA-CW-69-2021 में पारित अंतिम निर्णय के अनुरूप होगा, जहाँ तक उसका संबंध वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी-संवेदी जोन से है। परन्तु यह कि, स्थानीय निवासियों को अपने वास्तविक आवासीय उपयोग हेतु, भवन उपविधियों के अनुसार तथा स्थानीय आवासीय आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अपनी भूमि पर निर्माण करने की अनुमति होगी। (ख) लघु स्तर के ऐसे उद्योगों से संबंधित निर्माण गतिविधियाँ, जिनसे प्रदूषण नहीं होता है, लागू नियमों एवं विनियमों के अनुसार सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति से विनियमित की जाएंगी। (ग) संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के बाहर तथा पारिस्थितिकी-संवेदी जोन की बाहरी सीमा तक निर्माण गतिविधियाँ जोनल मास्टर प्लान के अनुसार विनियमित की जाएंगी।	नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग, पंचकूला विकास महानगर प्राधिकरण, वन विभाग, लोक निर्माण विभाग (भवन एवं सड़क)
13.	विद्युत एवं दूरसंचार अवसंरचना की परिनिर्माण	हरियाणा राज्य सरकार द्वारा लागू नियमों के अनुसार विनियमित किया जाएगा तथा भूमिगत केबलिंग को प्रोत्साहित किया जाएगा।	नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग, पंचकूला, पंचकूला विकास महानगर प्राधिकरण, विद्युत एवं ऊर्जा विभाग

14.	वृक्षों की कटाई	(क) पारिस्थितिकी-संवेदी जोन के अंतर्गत स्थित वन भूमि, सरकारी अथवा राजस्व भूमि या निजी भूमि पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन बल प्रमुख), हरियाणा अथवा विधि के अधीन अधिकृत प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना किसी भी वृक्ष की कटाई नहीं की जाएगी। (ख) वृक्षों की कटाई वर्तमान में प्रवृत्त सुसंगत विधियों के प्रावधानों के अनुसार विनियमित की जाएगी।	वन विभाग, जिला प्रशासन
15.	विद्यमान सड़कों का चौड़ीकरण एवं सुदृढीकरण तथा नई सड़कों का निर्माण	पारिस्थितिकी-संवेदी जोन में नई सड़कों का निर्माण तथा विद्यमान सड़कों का चौड़ीकरण अथवा मरम्मत, लागू नियमों एवं विनियमों के अनुसार विनियमित किया जाएगा।	लोक निर्माण विभाग (भवन एवं सड़क), नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग, पंचकूला, पंचकूला पंचकूला विकास महानगर प्राधिकरण, वन विभाग
16.	उच्च वोल्टेज विद्युत प्रसारण लाइनों की स्थापना	लागू नियमों एवं विनियमों के अनुसार विनियमित किया जाएगा तथा भूमिगत केबलिंग को अनुमति एवं प्रोत्साहन दिया जाएगा।	विद्युत उपयोगिताएं, नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग, पंचकूला
17.	विदेशी प्रजातियों का प्रवेश	पारिस्थितिकी-संवेदी जोन में विदेशी प्रजातियों का प्रवेश लागू विधियों के अनुसार विनियमित किया जाएगा	वन विभाग, वन्यजीव शाखा, कृषि विभाग
18.	होटलों एवं लॉजों की परिसीमा की बाड़बंदी	होटलों एवं लॉजों की परिसीमा की बाड़बंदी लागू विधियों के अनुसार पारिस्थितिकी-संवेदी जोन में विनियमित की जाएगी।	पर्यटन विभाग, नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग, हरियाणा, पंचकूला विकास महानगर प्राधिकरण व शहरी स्थानीय निकाय विभाग।
19.	वायु प्रदूषण (वाहनों से उत्पन्न ध्वनि सहित)	लागू विधियों के अनुसार विनियमित किया जाएगा।	हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, परिवहन विभाग, पुलिस विभाग
20.	वाणिज्यिक साइन बोर्ड एवं होर्डिंग्स	लागू विधियों के अनुसार विनियमित किए जाएंगे।	नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग, पंचकूला महानगर विकास प्राधिकरण, शहरी स्थानीय निकाय विभाग
21.	पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन गतिविधियों हेतु अस्थायी आवास के लिए पर्यावरण-अनुकूल कुटीर, टेंट, लकड़ी के मकान आदि की स्थापना	लागू विधियों के अनुसार विनियमित किया जाएगा।	पर्यटन विभाग, वन विभाग
22.	उपचारित अपशिष्ट जल का प्राकृतिक जल निकायों अथवा भूमि क्षेत्र में निस्तारण	उपचारित अपशिष्ट जल के पुनर्चक्रण को प्रोत्साहित किया जाएगा तथा कीचड़ एवं ठोस अपशिष्ट के निस्तारण हेतु लागू नियमों एवं विनियमों का पालन किया जाएगा।	हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, शहरी स्थानीय निकाय विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग
23.	लघु उद्योग, जिनसे प्रदूषण नहीं होता	केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा समय-समय पर संशोधित वर्गीकरण के अनुसार गैर-प्रदूषणकारी एवं गैर-जोखिमयुक्त लघु एवं सेवा उद्योग, कृषि, पुष्पोत्पादन, उद्यानिकी अथवा कृषि-आधारित उद्योग तथा पारिस्थितिकी-संवेदी जोन में उपलब्ध सामग्री कच्चे माल से	उद्योग विभाग, हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

		उत्पाद निर्माण करने वाले उद्योग सक्षम प्राधिकारी की अनुमति से स्थापित किए जा सकेंगे।	
24.	राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र के ऊपर विमान, हॉट एयर बैलून आदि द्वारा पर्यटन संबंधी गतिविधियाँ	लागू विधियों के अनुसार विनियमित किया जाएगा।	नागरिक उड्डयन विभाग, पर्यटन विभाग
25.	ठोस अपशिष्ट प्रबंधन	लागू विधियों के अनुसार विनियमित किया जाएगा।	शहरी स्थानीय निकाय, हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
26.	प्लास्टिक कैंरी बैग का उपयोग	जहाँ अन्यथा उपबंधित न हो, वहाँ लागू विधियों के अनुसार विनियमित किया जाएगा।	हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, शहरी स्थानीय निकाय, ग्राम पंचायत
27	पर्यावरण पर्यटन गतिविधियाँ	लागू विधियों के अनुसार विनियमित की जाएंगी।	पर्यटन विभाग, वन विभाग

पारिस्थितिकी-संवेदी जोन के भीतर निर्माण गतिविधियाँ निम्नलिखित अधिनियमों और नीतियों के उपबन्धों के अनुसार शासित होगी:-

- हरियाणा अनुसूचित सड़कें तथा नियंत्रित क्षेत्र अनियमित विकास प्रतिबंध अधिनियम, 1963 (1963 का पंजाब अधिनियम 41)
- हरियाणा नगरीय क्षेत्र विकास तथा विनियमन अधिनियम, 1975 (1975 का 8)
- हरियाणा भवन संहिता, 2017
- नगर तथा ग्राम आयोजना विभाग, हरियाणा की नीतियाँ/दिशानिर्देश

इसके अतिरिक्त, पारिस्थितिकी-संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले वन क्षेत्र भारतीय वन अधिनियम, 1927, वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972, वन (संरक्षण एवं संवर्धन) अधिनियम, 1980 तथा उनके अधीन बनाए गए नियमों के अनुसार शासित होते रहेंगे। किसी भी प्रकार के विरोधाभास की स्थिति में वन संबंधी विधियों के उपबंध प्रभावी होंगे।

पारिस्थितिकी-संवेदी जोन अधिसूचना संख्या का. आ. 4874(अ) के पैरा 2(5) में निर्धारित किया गया है कि आंचलिक महायोजना स्वीकृत वर्तमान भूमि उपयोग, आधारभूत अवसंरचना तथा गतिविधियों पर कोई प्रतिबंध अधिरोपित नहीं करेगी, जब तक कि पारिस्थितिकी-संवेदी जोन अधिसूचना में अन्यथा उपबंधित न किया गया हो। आंचलिक महायोजना का उद्देश्य आधारभूत अवसंरचना एवं गतिविधियों को अधिक दक्ष तथा पर्यावरण-अनुकूल बनाना होगा। अतः सभी वर्तमान स्वीकृत विकास योजनाएँ यथावत प्रभावी रहेंगी तथा माता मनसा देवी परिसर के पूर्व स्वीकृत योजना ढाँचे का कड़ाई से पालन किया जाएगा। स्वीकृत योजनाओं में ऐसा कोई विचलन, जो पारिस्थितिकी-संवेदी जोन अधिसूचना के उपबन्धों से असंगत हो, अनुमत नहीं होगा।

पारिस्थितिकीय अखंडता बनाए रखने के उद्देश्य से पारिस्थितिकी-संवेदी जोन के भीतर बहुमंजिला उच्च-आवासीय समूह, होटल, रिसॉर्ट अथवा अन्य किसी भी बड़े पैमाने के उच्च-भवन निर्माण की अनुमति नहीं होगी।

ग. प्रोन्नत गतिविधियाँ

28	स्थानीय समुदायों द्वारा वर्तमान कृषि एवं उद्यानिकी गतिविधियाँ, डेयरी, दुग्ध उत्पादन एवं मत्स्य पालन सहित	पर्यावरण-अनुकूल कृषि एवं उद्यानिकी को अनुमति दी जाएगी।	कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, पशुपालन एवं मत्स्य पालन विभाग
29.	वर्षा जल संचयन	सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया जाएगा।	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, पंचकूला महानगर विकास प्राधिकरण, शहरी स्थानीय निकाय, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण

30.	नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग	सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया जाएगा, बशर्ते कि प्रयुक्त सामग्री ऐसी प्रकाश किरणें उत्पन्न अथवा परावर्तित न करे जिससे पक्षियों एवं वन्यजीवों को कोई व्यवधान उत्पन्न हो।	हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण, पंचकूला महानगर विकास प्राधिकरण, शहरी स्थानीय निकाय
31.	सभी गतिविधियों में हरित प्रौद्योगिकी को अपनाना	अनुमति दी जाएगी।	पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, नवीकरणीय ऊर्जा विभाग, पंचकूला महानगर विकास प्राधिकरण, शहरी स्थानीय निकाय
32.	जैविक खेती	लागू विधियों के अनुसार अनुमति दी जाएगी।	कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
33.	जीवित बाड़	लागू विधियों के अनुसार अनुमति होगी।	वन विभाग, कृषि विभाग, जिला प्रशासन
34.	कुटीर उद्योग, जिनमें ग्रामीण शिल्पकार आदि सम्मिलित हैं	गैर-प्रदूषणकारी कुटीर उद्योग, जिनमें ग्रामीण शिल्पकारों द्वारा संचालित उद्योग भी सम्मिलित हैं, की अनुमति होगी।	उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, ग्रामिण विकास विभाग, जिला प्रशासन
35.	कृषि वानिकी	अनुमति होगी।	कृषि विभाग, वन विभाग
36.	पर्यावरण जागरूकता	सक्रिय रूप से प्रोत्साहित की जाएगी।	वन विभाग, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग
37.	कौशल विकास	अनुमति होगी	हरियाणा कौशल विकास मिशन

भविष्य में पारिस्थितिकी-संवेदी जोन के प्रबंधन के उद्देश्य से उपयुक्त मानकों के अनुसार राजस्व विभाग द्वारा तैयार किए गए विस्तृत मानचित्र (ग्राम मानचित्र), जो दिनांक 11 नवम्बर 2024 को विद्यमान थे, संदर्भ मानचित्र के रूप में प्रयुक्त किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, 11 नवम्बर 2024 को विद्यमान शहरी स्थानीय निकायों आदि के उपलब्ध विकास मानचित्र एवं विकास योजनाओं का भी नगरपालिका सीमाओं के भीतर स्थित शहरी क्षेत्रों एवं भूमि उपयोगों की पहचान के उद्देश्य से संदर्भ लिया जाएगा। वन विभाग के पास उपलब्ध वन क्षेत्रों के मानचित्रों का उपयोग वन क्षेत्रों की पहचान के लिए किया जाएगा। पारिस्थितिकी-संवेदी जोन तथा आंचलिक महायोजना के उपबन्धों को विनियमित करने हेतु उत्तरदायी विभाग वही होंगे, जिनका उल्लेख उपर्युक्त सारणी में किया गया है।

योजना का क्रियान्वयन:

इस योजना के उपबन्ध, भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा हरियाणा राज्य की ओर स्थित सुखना वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी-संवेदी जोन के संबंध में जारी की गई पारिस्थितिकी-संवेदी जोन की अधिसूचना दिनांक 11 नवम्बर, 2024 में निहित उपबन्धों एवं निर्देशों के पूरक होंगे तथा इन्हें उक्त अधिसूचना के साथ पढ़ा जाएगा।

इस योजना के उपबन्धों के किसी भी उल्लंघन पर निगरानी रखना तथा उसका संज्ञान लेना, उपर्युक्त सारणी में निर्दिष्ट संबंधित जिला स्तरीय सक्षम प्राधिकारी की प्राथमिक जिम्मेदारी होगी। योजना का क्रियान्वयन एवं उसकी निगरानी जिला निगरानी समिति द्वारा की जाएगी।

पर्यावरणीय स्वीकृति अपेक्षित गतिविधियों के संबंध में, जिला निगरानी समिति, भारत सरकार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा पारिस्थितिकी-संवेदी जोन की अधिसूचना दिनांक 24 नवम्बर, 2024 में अधिकथित प्रक्रिया का पालन करेगी। ऐसे प्रस्ताव अनुमोदन हेतु राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण को प्रस्तुत किए जाएंगे तथा राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण से अनुमोदन प्राप्त होने के उपरांत, सक्षम प्राधिकारी से आवश्यक वन्यजीव स्वीकृति प्राप्त की जाएगी।

इसके अतिरिक्त, जिला निगरानी समिति यह सुनिश्चित करेगी कि उसके द्वारा लिए गए सभी निर्णय, सभी सुसंगत वैधानिक विधियों के संगत हों और इस आंचलिक महायोजना में दिए गए उपबन्धों में कोई विरोधाभास उत्पन्न होने की स्थिति में, ऐसे मामलों में वैधानिक विधियों के उपबन्ध प्रभावी होंगे।

अनुलग्नक-क

माता मनसा देवी शहरी परिसर, पंचकूला के अनुमोदित लेआउट/सीमांकन योजनाओं के संबंध में भूमि का विवरण (मुख्य नगर योजनाकार, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, पंचकूला द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार)

क्रम संख्या	सेक्टर सं०	अनुमोदित योजनाओं का विवरण	भूमि उपयोग श्रेणी	अनुमोदित ले-आउट योजनाओं के अनुसार क्षेत्रफल (एकड़ में)	सुखना वन्यजीव अभयारण्य के 1 कि. मी. बफर (ईएसजेड) के अंतर्गत क्षेत्र (एकड़ में)
1	1	ड्राईंग संख्या 1211/2012, दिनांक 12 मार्च 2012 के अनुसार अनुमोदित ले-आउट-सह-सीमांकन योजना	सार्वजनिक/अर्द्ध-सार्वजनिक	27.52	शून्य
			सार्वजनिक उपयोगिताएँ	18.64	शून्य
2	2	ड्राईंग संख्या 868/04 एवं 1645/2023 दिनांक 12 मई 2004 एवं 29 मार्च 2023 के अनुसार अनुमोदित संशोधित ले-आउट योजना	आवासीय	337.65	170.0 (लगभग)
3	3	ड्राईंग संख्या 1721/2024, दिनांक 28 नवम्बर 2024 के अनुसार अनुमोदित संशोधित ले-आउट योजना	संस्थागत	24.50	19.20 (लगभग)
			खुला क्षेत्र	26.60	5.7 (लगभग)
			वाणिज्यिक	11.22	शून्य
			सूचना एवं प्रौद्योगिकी	14.67	शून्य
			कुल	460.80	194.90 (लगभग)

ड्राईंग संख्या 861/04, दिनांक 12 मार्च 2004 के अनुसार माता मनसा देवी शहरी परिसर, पंचकूला की अनुमोदित विकास योजना के संबंध में भूमि का विवरण, जिसके आधार पर ले-आउट योजना तैयार की गई:-

क्रम संख्या	सेक्टर सं०	विकास योजना के अनुसार भूमि उपयोग	अनुमोदित विकास योजना के अनुसार क्षेत्रफल (एकड़ में)	सुखना वन्यजीव अभयारण्य के ईएसजेड के अंतर्गत क्षेत्र (एकड़ में)
1	1	मनोरंजनात्मक	90.58	80.18 (लगभग)
		खुला क्षेत्र	265.35	202.82 (लगभग)
		कुल	355.93	283.00 (लगभग)

टिप्पणी: सुखना वन्यजीव अभयारण्य के 1 कि.मी. बफर क्षेत्र (इको-सेंसिटिव जोन) के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों की गणना, अधीक्षण अभियंता, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, डिवीजन-II, पंचकूला द्वारा उनके दिनांक 17 अप्रैल 2026 के ज्ञापन के साथ उपलब्ध कराए गए सर्वेक्षण आरेख के आधार पर की गई है।

जीआईएस परिवेश में हरियाणा राज्य की ओर सुखना वन्यजीव अभयारण्य के 1 कि.मी. बफर (पारिस्थितिकी-संवेदी जोन) के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों का विवरण:-

	क्रम संख्या	सेक्टर/राजस्व संपदा	भूमि उपयोग श्रेणी	क्षेत्रफल (एकड़ में) (लगभग)	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.) (लगभग)	कुल ईएसजेड क्षेत्र का प्रतिशत
नगर परिषद, कालका	1	31	आवासीय	7.42	0.03	0.12
	2	31A	वाणिज्यिक	5.32	0.02	0.09
	3	32	औद्योगिक	14.14	0.06	0.23
	4	33	औद्योगिक	163.69	0.66	2.69

	क्रम संख्या	सेक्टर/राजस्व संपदा	भूमि उपयोग श्रेणी	क्षेत्रफल (एकड़ में) (लगभग)	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.) (लगभग)	कुल ईएसजेड क्षेत्र का प्रतिशत
			खुला क्षेत्र	205.12	0.83	3.37
	5		सड़कों एवं हरित पट्टी के अंतर्गत क्षेत्र	109.51	0.44	1.80
			कुल	505.21	2.07	8.31
नगर निगम, पंचकूला	6	चंडीकोटला	—	207.66	0.84	3.42
	7	महादेवपुर, सकेतड़ी एवं मानव कालोनी	—	44.99	0.18	0.74
			कुल	252.65	1.02	4.16
		नगर निगम सीमा के अंतर्गत कुल क्षेत्रफल		757.86	3.07	12.47
हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण	8	माता मनसा देवी शहरी परिसर-1, 2 एवं 3		477.90	1.93	7.86
		महायोग		1235.76	5.00	20.33

HARYANA GOVERNMENT**ENVIRONMENT, FOREST AND WILDLIFE DEPARTMENT****Notification**

The 26th August, 2026

No. S.O.48/C.A.29/1986/S. 3/2026.— WHEREAS, in exercise of the powers conferred under sub-section (1) and clauses (v) and (xiv) of sub-section (2) and sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986 (Central Act 29 of 1986), read with sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, Government of India, Ministry of Environment, Forests and Climate Change vide notification No. 4874, dated the 11th November, 2024 has notified an area to an extent varying from 1.0 km to 2.035 km from the boundary of the Sukhna Wildlife Sanctuary, in the State of Haryana as Sukhna Wildlife Sanctuary Eco Sensitive Zone, the details of which are specified in paragraph 1 of the said notification, for the purpose of protecting and improving the quality of environment and preventing, controlling and abating environmental pollution;

AND WHEREAS, paragraph 2 of the said notification requires, preparation and notification of the Zonal Master Plan for the purpose of the Eco Sensitive Zone;

AND WHEREAS, the Zonal Master Plan shall not impose any restriction on the approved existing land use, infrastructure and activities, unless so specified in the Government of India, Ministry of Environment, Forests and Climate Change, notification No. S.O. 4874 (E), dated the 11th November, 2024. The Zonal Master Plan shall factor in,-

- (i) improvement of all infrastructure and activities to be more efficient and eco-friendly;
- (ii) the plan shall provide for restoration of denuded areas, conservation of existing water bodies, management of catchment areas, watershed management, groundwater management, soil and moisture conservation, needs of local community and such other aspects of the ecology and environment that need attention;
- (iii) the plan shall demarcate all the existing worshipping places, village and urban settlements, types and kinds of forests, agricultural areas, fertile lands, green areas, such as, parks and like places, horticultural areas, orchards, lakes and other water bodies with supporting maps giving details of existing and proposed land use features;
- (iv) shall manage and regulate the area in Eco Sensitive Zone as to ensure Eco-friendly development for the security of livelihood of local communities.

AND WHEREAS the district monitoring committee of the Eco Sensitive Zone, in compliance of the provisions and by following the instructions contained in the prepared and deliberated on the plan and approved it in its meeting held on 24.04.2026;

NOW, in pursuance of the Government of India, Ministry of Environment, Forests and Climate Change, notification No. S.O. 4874 (E), dated the 11th November, 2024, the Governor of Haryana hereby notifies the Zonal Master Plan of the Eco- Sensitive Zone around Haryana side of Sukhna Wildlife Sanctuary, District Panchkula as per the activities and existing land use and specification of the prohibitions, regulations and their implementation modalities as given in the Schedule, namely;-

Schedule**1. Pattern of area and zonation falling under the Eco Sensitive Zone Area of the Eco Sensitive Zone (ESZ)**

As per the Government of India, Ministry of Environment, Forests and Climate Change, notification No. S.O. 4874 (E), dated the 11th November, 2024, the Eco-Sensitive Zone around Sukhna Wildlife Sanctuary covers a total area of **24.61 sq. km**, equivalent to **6420.99 acres**. It includes portions of the surrounding landscape and **ten villages** (Prempura, Sukhomajri, Damala, Lohgarh, Manakpur Thakardas, Surajpur, Chandimandir Kotla, Dara Khanori, Rampur, Saketari and Mahadevpur).

The geo-coordinate wise details of boundaries of Eco-Sensitive Zone as well as the villages falling within Eco-Sensitive Zone alongwith location maps are given in Eco-Sensitive Zone Notification dated 11.11.2024.

The total area under approved development plans of Municipal Council Kalka, Municipal Corporation Panchkula and Sector 1, 2 and 3 of Mansa Devi Complex under Haryana Shehri Vikas Pradhikaran as well as the area within Eco Sensitive Zone of Sukhna Wildlife Sanctuary as reported by concerned authorities has been given in the table at Annexure-I. The map of Mata Mansa Urban Complex showing Sectors 1, 2 and 3 as well as Eco-Sensitive Zone boundary has been given at Annexure-II.

The type of land use within Eco-Sensitive Zone and the extent of area of Sukhna Wildlife Sanctuary is as under,-

Serial number	Type of Land Use	Sukhna WLS Boundary (sq Km) (Haryana side)	Sukhna ESZ (sq Km)
1	Agriculture	0.00	0.95
2	Builtup Area	0.00	0.69
3	Canal	0.00	0.00
4	Dense Forest	20.18	12.20
5	Plantations	0.00	0.46
6	River	0.11	0.11
7	Road	0.00	0.10
8	Sparse Forest	5.15	9.19
9	Wasteland	0.00	0.66
10	Waterbody	0.55	0.15
11	Wetland	0.00	0.10
Grand Total		25.99	24.61

2. Activities prohibited, regulated or promoted within the Eco Sensitive Zone

All activities in the Eco Sensitive Zone shall be governed by the provisions of the Environment (Protection) Act, 1986 (Central Act 29 of 1986) and the rules made thereunder and the Environmental Impact Assessment (EIA) Notification, 2006 and other applicable laws including the Forest (Conservation) Act, 1980 (Central Act 69 of 1980), the Indian Forest Act, 1927 (Central Act 16 of 1927) the Wildlife (Protection) Act, 1972 (Central Act 53 of 1972), and amendments made thereto and be regulated in the manner specified in the Table below, namely:-

Table

Serial number	Activity	Description	Departments Responsible
1.	2.	3.	4.
A. Prohibited Activities			
1.	Commercial Mining, stone quarrying and crushing units.	(a) All new and existing (minor and major minerals), stone quarrying and crushing units are prohibited with immediate effect except for meeting the domestic needs of bona fide local residents including digging of earth for construction or repair of houses within Eco Sensitive Zone; (b) The mining operations shall be carried out in accordance with the orders of the Supreme Court in the matter of T.N. Godavarman Thirumulpad Vs. UOI in W.P.(C) No.202 of 1995 and Goa Foundation Vs. UOI in W.P.(C) No.435 of 2012 and IA No. 1000 of 2003 judgment dated 03.06.2022 and subsequent IA No. 131377 of 2022 judgment dated 26.04.2023 and 28.04.2023.	Mines and Geology Department, District Administration
2.	Setting of new saw mills.	Prohibited.	Forest Department, Industries Department,
3.	Setting of industries causing pollution (Water, Air, Soil, Noise, etc.).	Prohibited.	Industries Department, Forest Department.

4.	Use or production or processing of any hazardous substances.	Prohibited.	HSPCB, Environment Department,
5.	Commercial use of firewood.	Prohibited.	Forest Department,
6.	Discharge of untreated effluents in natural water bodies or land area.	Prohibited.	HSPCB, ULB, PHED
7.	Commercial water resources including ground water harvesting.	Commercial use of natural water resources including ground water shall be prohibited in the Eco Sensitive Zone and all steps shall be taken to prevent contamination or pollution of water.	Irrigation and Water Resources., PMDA, ULB, HSVP
8.	Establishment of new thermal and major hydroelectric project.	Prohibited	Environment Department, Forest Department, Power Department
9.	New wood-based industry.	No establishment of new wood-based industry shall be permitted within the limits of Eco Sensitive Zone: Provided the existing wood-based industry may continue as per law: Provided further that renewal of licenses of existing saw mills shall not be done on their expiry.	Forest Department, Industries Department, HSPCB
10.	Establishment of large-scale commercial livestock and poultry farms by firms, corporate and companies.	Prohibited (except as otherwise provided) as per applicable laws. Provided that only small-scale poultry farms by local farmers can be established for sustenance of their livelihood.	Animal Husbandry and Fisheries Department
B. Regulated Activities			
11.	Commercial establishment of hotels and resorts.	No new commercial hotels and resorts shall be permitted within the catchment of the Sukhna Wildlife Sanctuary as per map delineated by the Survey of India on 21.09.2004 and in conformity with the Order dated 02 nd March, 2020 of the High Court of Punjab and Haryana in Writ Petition (C) No. 18253 of 2009 and 5809 of 2015 title Court on its own motion Vs Chandigarh Administration and also in conformity with the judgment of the High Court in review petition CM-14026- CWP-2021 with RA-CW-259-2020, RA-CW-252-2020, RA- CW-261-2020, RA-CW-268-2020 and RA-CW-69-2021 in CWP-18253-2009 in so far as its applicability to the Eco Sensitive Zone of the Sukhna Wildlife Sanctuary: Provided that, beyond one kilometer from the boundary of the Protected Area or upto the extent of Eco Sensitive Zone, whichever is nearer, all new tourism developmental activities or expansion of existing developmental activities shall be in conformity with the Tourism Master Plan and guidelines as applicable subject to provisions of forest laws.	Tourism Department, DTCP, PMDA

12.	Construction activities.*	(a) No new constructions of any kind shall be permitted within the catchment of the Sukhna Wildlife Sanctuary as per map delineated by the Survey of India on 21.09.2004 and in conformity with the Order dated 02nd March, 2020 of the High Court of Punjab and Haryana in Writ Petition (C) No. 18253 of 2009 and 5809 of 2015 title Court on its own motion Vs Chandigarh Administration and also in conformity with the final judgment of the High Court in review petition CM-14026- CWP-2021 with RA-CW-259-2020, RA-CW-252-2020, RA- CW-261-2020, RA-CW-268-2020 and RA-CW-69-2021 in CWP-18253-2009 in so far as its applicability to the Eco Sensitive Zone of the Sukhna Wildlife Sanctuary: Provided that, local residents shall be permitted to undertake construction in their land for their bonafide residential use as per building bye-laws to meet the residential needs of the local residents. (b) The construction activity related to small scale industries not causing pollution shall be regulated, with prior permission from the competent authority as per rules and regulations, applicable, if any. (c) Beyond one kilometer and upto the outer edge of the Eco-Sensitive Zone, it shall be regulated as per the Zonal Master Plan.	DTCP, MDA, Forest Department, PWD (B&R)
13.	Erection of electrical and telecommunication towers.	Shall be regulated by the State Government of Haryana and underground cabling shall be promoted.	DISCOM, DTCP, PMDA, Department of Power and Energy
14.	Felling of Trees.	(a) There shall be no felling of trees on the forest land or Government or revenue or private land within the Eco Sensitive Zone area without prior permission of the Principal Chief Conservator of Forests (Head of Forest Force) or the Authority to whom the powers have been delegated under any law to or in the time being in force. (b) The felling of trees shall be regulated in accordance with the provisions of the relevant laws for the time being in force.	Forest Department, District Administration
15.	Widening and strengthening of existing roads and construction of new roads.	Construction of new roads and widening or repair of existing roads in the Eco Sensitive Zone shall be regulated as per rules and regulations applicable, if any.	PWD (B&R), DTCP, PMDA, Forest Department,
16.	Erection of high-tension transmission lines.	As per regulations, as applicable and underground cabling shall be permitted.	Power Utilities, DTCP
17.	Introduction of exotic species.	Introduction of exotic species shall be regulated in the Eco Sensitive Zone as per applicable laws.	Forest Department, Wildlife Wing, Agriculture Dept.
18.	Fencing of premises of hotels and lodges.	Fencing of premises of hotels and lodges shall be regulated in the Eco Sensitive Zone as per applicable laws.	Tourism Department, DTCP, PMDA, ULB

19.	Air (including noise) and vehicular pollution.	Regulated as per the applicable laws.	HSPCB, Transport Department, Police
20.	Commercial sign boards and hoardings.	Regulated as per the applicable laws.	DTCP, PMDA, ULB
21.	Eco-friendly cottages for temporary occupation of tourists such as tents, wooden houses, etc. for eco-friendly tourism activities.	Regulated as per the applicable laws.	Tourism Department, Forest Department
22.	Discharge of treated effluents in natural water bodies or land area.	Recycling of treated effluents shall be encouraged and for disposal of sludge or solid wastes, the applicable regulations shall be followed.	HSPCB, ULB, PHED
23.	Small scale industries not causing pollution.	Non polluting industries as per classification of industries issued by the Central Pollution Control Board. as amended from time to time and non-hazardous, small-scale and service industry, agriculture, floriculture, horticulture or agro-based industry producing products from indigenous materials from the Eco Sensitive Zone shall be permitted by the competent Authority.	Industries Department, HSPCB
24.	Undertaking activities related to tourism like over-flying the national park area by aircraft, hot air balloons.	Regulated as per the applicable laws.	Civil Aviation Department, Tourism Department
25.	Solid Waste Management.	Regulated as per the applicable laws.	ULB, HSPCB
26.	Uses of plastic carry bags.	Regulated (except as otherwise provided) as per applicable laws.	HSPCB, ULB, Gram Panchayat
27.	Eco-Tourism Activity.	Regulated as per the applicable laws.	Tourism Department, Forest Department.

* Construction activities within the Eco Sensitive Zone shall be governed in accordance with the provisions of the following Acts and policies:

- Haryana Scheduled Roads and Controlled Areas Restriction of Unregulated Development Act, 1963 (Punjab Act 41 of 1963)
- Haryana Development and Regulation of Urban Areas Act, 1975 (8 of 1975)
- Haryana Building Code, 2017
- Policies / Guidelines of Town and Country Planning Department, Haryana

Further, the forest areas lying within the ESZ will continue to be governed under the relevant forest laws i.e. Indian Forest Act, 1927, Wildlife Protection Act, 1972 and Van (Sanrakshan Evam Samvardhan) Adhiniyam, 1980 and the Rules made thereunder and in case of any conflicting situation the provisions contained in forest laws shall prevail.

The Eco Sensitive Zone Notification No. S.O. 4874 (E) dated 11th November 2024 stipulate at para 2(5) that the Zonal Master Plan shall not impose any restriction on approved existing land use, infrastructure and activities unless so specified in ESZ notification and the Zonal Master Plan shall factor in improvement of all infrastructure and activities to be more efficient and ecofriendly. Therefore, all existing approved development plans shall remain undisturbed and the already approved planning framework of the Mansa Devi Complex shall be strictly adhered to, and no deviation of the sanctioned plans which may be inconsistent with the ESZ notification shall be permitted.

In order to maintain ecological integrity, multi-storey high rise group housing societies, hotels, resorts, or any other large-scale high rise constructions shall not be permitted within the Eco Sensitive Zone.

C. Promoted Activities			
28.	Ongoing agriculture and horticulture practices by local communities along with dairies, dairy farming and fisheries.	Eco-friendly agriculture and horticulture will be permitted.	Agriculture and Farmers Welfare Department, Animal Husbandry and Fisheries department.
29.	Rain water harvesting.	Shall be actively promoted.	Irrigation and Water Resources., PMDA, ULB, HSVP
30.	Use of renewable energy sources.	Shall be actively promoted provided that material used does not produce and reflect light that disturb birds and animals.	Haryana Renewable Energy Development Agency (HAREDA), PMDA, ULB
31.	Adoption of green technology for all activities.	Shall be permitted.	Environment and Climate Change Department, Renewable Energy Department, PMDA, ULB
32.	Organic farming.	As permitted under the applicable law.	Agriculture and Farmers Welfare Department
33.	Vegetative fencing.	As permitted under the applicable law.	Forest Department, Agriculture Department, District Administration
34.	Cottage industries including village artisans, etc.	Non-polluting Cottage industries including village artisans will be permitted.	Industries and Commerce Department, Rural Development Department, District Administration
35.	Agroforestry.	Shall be permitted.	Agriculture Department, Forest Department
36.	Environmental awareness.	Shall be actively promoted.	Forest, Environment and Climate Change Department
37.	Skill development.	Shall be permitted.	Haryana Skill Development Mission

For the purpose of future management of the Eco-Sensitive Zone on above said parameters, the sizra maps (village maps) prepared by revenue department and as they exist on 11.11.2024 i.e. the date of ESZ Notification will serve as reference maps. Further that, the existing maps and Development Plans as on 11.11.2024 available with Haryana Sehari Vikas Pradhikaran, Urban Local Bodies etc. will also be referred for the purpose of identification of urban settlements/ land use within municipal limits. The maps of forest areas available with Forest Department will be used for identifying the forest areas. The responsible departments for regulating the provisions of the ESZ and the Zonal Master Plan shall be as indicated in above table.

IMPLEMENTATION OF THE PLAN

The provisions of this Plan are supplementary to the stipulations and directions contained in the Notification of Eco Sensitive Zone dated 11.11.2024 issued by MoEFCC for Eco Sensitive Zone of Sukhna Wildlife Sanctuary towards Haryana side and are to be read with the said Notification dated 11.11.2024.

The prime responsibility to maintain a watch and to take cognizance of any violations of the provisions of this Plan in the Eco Sensitive Zone shall be of the competent district level authority specified in the above table. The implementation and monitoring of the plan shall be the responsibility of the District Monitoring Committee.

Concerning the activities requiring any environmental clearance, the District Monitoring Committee shall follow the procedure laid down in the MoEFCC Notification of the Eco Sensitive Zone dated 11.11.2024. These proposals will be submitted for approval to the State Environment Impact Assessment Authority (SEIAA) and on receipt of approval from SEIAA the needful Wildlife clearance will be obtained from the Competent Authority.

Further, the monitoring committee will ensure that the decisions taken by it are consistent with all relevant statutory laws and in event of any conflict of provisions contained in this Zonal Master Plan, in such matters the stipulation of the statutory laws shall prevail.

Annexure-I

Details of land vis-a-vis approved layout/demarcation plans of MDC, Panchkula (as reported by CTP, HSVP, Panchkula)					
Serial number	Sector number	Details of Approved Plans	Land Use Categories	Area in acres as per approved layout plans (in Acres)	#Area under 1 km. buffer (ESZ) of Sukhna Wildlife Sanctuary (in Acres)
1	1	Approved layout-cum-demarcation plan bearing drg. No. 1211/2012 dated 12.03.2012	Public-semi public	27.52	NIL
			Public Utilities	18.64	NIL
2	2	Approved Revised layout plan is bearing drg. No. 868/04 and 1645/2023dated 12.05.2004 and 29.03.2023	Residential	337.65	170.0 (approx.)
3	3	Approved revised layout plan bearing drg. No. 1721/2024 dated 28.11.2024	Institutional	24.50	19.20 (approx..)
			Open Space	26.60	5.7 (approx.)
			Commercial	11.22	NIL
			Information and technology	14.67	NIL
			Total	460.8	194.90 (approx.)

Details of land vis-a-vis approved Development Plan of MDC, Panchkula bearing drg. No. 861/04 dated 12.03.2004 for which layout plan has not been prepared.				
Serial number	Sector number	Land Use as per	Area in acres as per approved Development Plan (in Acres)	#Area under ESZ of Sukhna Wildlife Sanctuary (in Acres)
1	1	Recreational	90.58	80.18 (approx.)
		Open Space	265.35	202.82 (approx.)
Total			355.93	283.00 (approx.)

Note - The areas falling under 1 km. buffer zone (Eco Sensitive Zone of Sukhna Wildlife Sanctuary has been calculated as per survey drawing received from XEN HSVP, Division-II, Panchkula vide their Memo dated 17.04.2026.

Details of Areas falling under 1 km Buffer (ESZ) of Sukhna Wildlife Sanctuary towards Haryana State in GIS Environs						
	S.N	Sector/ Revenue Estate	Land Use Categories	Area in Acres (Apprx.)	Area in Sq km (Apprx.)	% to Total ESZ Area
MC Kalka	1	31	Residential	7.42	0.03	0.12
	2	31A	Commercial	5.32	0.02	0.09
	3	32	Industrial	14.14	0.06	0.23
	4	33	Industrial	163.69	0.66	2.69
			Open Spaces	205.12	0.83	3.37
	5	Area under Roads and Green Belt		109.51	0.44	1.80
	Total			505.21	2.04	8.31
MC Panchkula	6	Chandikotla		207.66	0.84	3.42
	7	Mahadevpur, Saketri & Manav Colony		44.99	0.18	0.74
	Total			252.65	1.02	4.16
Total Area (under MC Limits)				757.86	3.07	12.47
HSVP	8	MDC-1,2,3		477.9	1.93	7.86
Grand Total				1235.76	5.00	20.33

